पावन बनना तो बेहद का वैराग्य करना
तुम्हारी चढ़ती कला से होता सर्व का भला
आत्मा अपना ही शत्रु और बनती अपना ही मित्र
संगम पर आत्मा बनती अपना मित्र
बाप की श्रीमत पर चलना ही सच्ची मित्रता
बाप की याद से पावन बनना और वर्सा लेना
खान -पान की शुद्धि रख पक्का वैष्णव बनना
बाप से योग रख आत्मा की लाइट बढ़ानी
कोई विकर्म कर लाइट कम नही करनी
स्मृति से पुराना सौदा कैंसिल कर सिंगल बनना
एक बाप को ही बनाना कम्पैनियन
माया के सम्बन्ध से लेना डायवोर्स
मोहजीत,नष्टोमोहा बन विजय माला का दाना बनना
सत्यता की विशेषता से डायमंड को चमकाना

ॐ शांति
मेरा बाबा